पत्रिका

भेल हरिद्वार से आए राकेश कुमार अब नेपा मिल के नए सीएमडी, देब का विदाई समरोह आयोजित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. नेपा मिल में सीएमडी सौरभ देब के स्थानांतरण हो गया। उनके स्थान पर अब भेल हरिद्वार से सीएमडी के पद पर राकेश कुमार चोखानी की पदस्थापना की गई है। वह भेल में कई पदों पर रह चुके हैं। शुक्रवार रात नेपा मिल में सीएमडी सौरभ देब का विदाई समारोह आयोजित हुआ जबकि नए सीएमडी का सभी ने स्वागत किया। वहीं शनिवार को सीएमडी ने पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी के साथ मिल जुलकर काम करेंगे। इस दौरान मिल के अफसर, कर्मचारी और गणमान्यजन मौजद थे।

नवागत सीएमडी राकेश कुमार।

सौरभ देब को दी विदाई।

दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 31-03-2024

आयोजन • नेपा मिल के सीएमडी राकेश कुमार चोखानी ने पदभार संभालकर कर्मचारियों से किया संवाद

सभी को मिलकर काम करना है और नई ऊंचाइयों को छूना है

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

सीएमडी सौरभ देब ने नेपा मिल में उत्पादन प्रारंभ कर मिल के लिए रास्ता खोला है। अब हम सबको मिलकर इसे फाइनल टच देना है और इसे और ज्यादा बुलंदी पर पहुंचाना है। मैं मोबाइल और सोशल मीडिया पर भी हमेशा उपलब्ध रहूंगा। सभी को मिलकर काम करना है और नई ऊंचाइयों को छूना है। कहीं भी कोई काम रूकना नहीं चाहिए। यदि कहीं कोई काम रूकता है तो उसकी जानकारी सामने लाना चाहिए।

यह बात एशिया की पहली अखबारी कागज मिल नेपा लिमिटेड के सीएमडी का प्रभार ग्रहण करने के बाद राकेश कुमार चोखानी ने कही। मिल के अनाम श्रमिक परिसर में निवृत्तमान सीएमडी सौरभ देब ने उनका शॉल, पुष्प हार से स्वागत किया और प्रभार सौंपा। कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद नवागत सीएमडी ने मिल के अफसर, कर्मचारियों से चर्चा की। इस दौरान निवृत्तमान सीएमडी सौरभ देब ने मिल के रिनोवेशन से उत्पादन तक के संघर्ष के लिए सभी का आभार मानते हुए कहा आगे आपको इस मिल को और उंचाईयों पर ले जाना है। इस दौरान चीफ जनरल मैनेजर वर्क एंड प्रोजेक्ट राम अलागेशन, अजय गोयल जनरल मैनेजर मार्केटिंग, सुमंत कानफाड़े, कुमार देशमुख, छविनाथ वर्मा, महेंद्र केसरी, ज्ञानेश्वर खैरनार, राजेंद्र जाधव, प्रशांत बैठालु मौजूद थे।

23 अगस्त 2022 को दोबारा अस्तित्व में आई नेपा मिल

23 अगस्त 2022 को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडे ने नेपानगर पहुंचकर मिल के पुनरुद्धार का भूमिपूजन किया था। करीब 7 साल बाद 75 साल का गौरवमयी इतिहास रखने वाली एशिया की पहली अखबारी कागज मिल नेपा लिमिटेड एक बार फिर कमर्शियल उत्पादन के लिए तैयार हुई थी।। यह देश की ऐसी पहली मिल है जिसके खाते में 1995 में गुलाबी समाचार पत्र बाजार में पेश करने का भी रिकार्ड दर्ज है। अब यहां दो प्रकार का कागज तैयार किया जा रहा है। न्यूज प्रिंट वेस्टेज कागज से लुगदी बनाकर तैयार किया गया, तो वहीं दूसरा राइटिंग प्रिंटिंग पेपर है। इसके लिए रॉ मटेरियल कोटेड किताबें, अच्छी क्वालिटी के पुराने ऑफिस पेपर और अन्य इंडियन रिसाइकिल पेपर का उपयोग किया जा रहा है। पहले मिल की उत्पादन क्षमता 88 हजार टीपीए प्रतिवर्ष थी, जो अब 1 लाख टीपीए प्रति वर्ष से अधिक है। यहां आधुनिक मशीनें लगाई गई है। नेपा मिल में दोबारा उत्पादन शुरू होने में 7 साल का लंबा समय लगा। 2015-16 में यहां पूरी तरह से उत्पादन बंद कर मिल का रिनोवेशन शुरू कराया गया। डी-इंकिंग प्लांट, ईटी प्लांट, दो रिमाइंडर हैंडलिंग प्लांट, दो कंट्रोल केप्टिव प्लांट, बॉयलर का निर्माण किया गया। भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम नेपा लिमिटेड ने अपनी स्थापना तथा राष्ट्रीयकरण से लेकर आधुनिकीकरण तक की 75 वर्षों की लंबी यात्रा में पहली बार पिछले साल गणेश चतुर्थी पर लेखन और मुद्रण कागज का उत्पादन प्रारंभ किया था।

नवागत सीएमडी राकेश कुमार चोखानी ने कार्यभार संभाला।

भेल हरिद्वार से नेपा मिल में हुई है पदस्थापना

राकेश कुमार चोखानी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड यानी भेल हरिद्वार से यहां आए हैं। भेल में वे एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर थे। साथ ही 2003-05 के बीच कंपनी सेक्रेटरी भी रहे हैं। 1993-96 में उन्होंने इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी से फाइनेंशियल मैनेजमेंट में डिग्री हासिल की थी। भेल में काम करने का उनका अनुभव काफी अच्छा है।

यह है नेपा मिल लिमिटेड का इतिहास

- नेपा लिमिटेड को 25 जनवरी 1947 को मेसर्स नायर प्रेस सिंडिकेट लिमिटेड द्वारा 30000 वार्षिक की प्रारंभिक स्थापित क्षमता वाले कागज के उत्पादन के लिए नेशनल न्यूज प्रिंट एंड पेपर मिल्स लिमिटेड के नाम से एक निजी उद्यम के रूप में शामिल किया गया था। इसके कारण देश का पूरा प्रिंट मीडिया जुड़ा रहा। आगे चलकर यह केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों में शामिल हो गई।
- 26 अप्रैल 1956 को तत्कालीन प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने नेपा मिल राष्ट्र को समर्पित की थी।
- 2015-16 में मिल का रिनोवेशन शुरू हुआ। करीब 469 करोड़ रुपए की लागत से यह मिल दोबारा अस्तित्व में आई। पहले यहां बनोपज आधारित अखबारी कागज बनता था यानी सलाई और बांस से कागज निर्माण होता रहा, लेकिन बाद में वेस्टेज पेपर से लुगदी बनाकर निर्माण होने लगा। 2012 में पहला आर्थिक पैकेज मिला। कुछ साल मिल बंद भी रही। मिल में छह से अधिक देशी विदेशी कंपनियों ने काम किया।